इंडियनऑयल
IndianOil

सतत् विकास उपलब्धियाँ
2018-19

सतत् विकास के लिए नवाचार को प्रोत्साहन

विषय सूची

1 इंडियनऑयल एक नजर में
2 अध्यक्ष का संबोधन
4 मूल्य श्रृंखला
6 सामाजिक उत्थान
8 इंडियनऑयल में सतत् विकास
10 परिचालन उत्सर्जन को कम करना
11 अक्षय ऊर्जा
12 ताजे पानी की खपत को कम करना
13 उत्पाद की जिम्मेदारी
14 कर्मचारी
15 आर्थिक निष्पादन
16 हितधारकों से संवाद

इंडियनऑयल के बारे में

इंडियनऑयल भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक और ऊर्जा कंपनियों में से एक है। यद्यपि कंपनी मुख्य रूप से भारत में काम करती है, लेकिन इंडियनऑयल ने अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया है और दुनिया के विभिन्न देशों में इसके व्यापारिक हित हैं। इंडियनऑयल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की 'फॉर्च्यून ग्लोबल 500' सूची में 137वें स्थान पर है। इंडियनऑयल के 33,000 कर्मचारी, भारत की ऊर्जा मांगों को पूरा करने और देश के हर भाग में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए समर्पण और उत्साकह से कार्य करते हैं।

कंपनी ने राष्ट्रीय तेल रिफाइनिंग कंपनी के रूप में अपना सफर वर्ष 1959 में शुरू किया था। वर्षों से, इंडियनऑयल ने विश्व स्तर पर मान्यता–प्राप्त, एकीकृत ऊर्जा प्रमुख कंपनी बनने के लिए तेजी से विकास किया है। कंपनी के व्यावसायिक हित स्वच्छ– ऊर्जा उपलब्ध कराने के अलावा, अन्वेषण और उत्पादन से लेकर; पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग; पाइपलाइन परिवहन और विपणन; पेट्रोरसायनों में डाउनस्ट्रीम एकीकरण तक हैं।

इंडियनऑयल खुद को एक जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम मानता है, जो पारदर्शिता के साथ सस्ती ऊर्जा और गुणवत्ता वाले उत्पादों का पारदर्शी रूप से उपलब्ध करता है; कार्यों में परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करता है; अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां और अनुसंधान एवं विकास करता है; सबसे जिम्मेदार तरीके से ऊर्जा का दोहन करता है; तथा दुनिया भर में अरबों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे रहा है।

इंडियनऑयल के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए वेबसाइटः **www.iocl.com** देखें।

इस रिपोर्ट के बारे में

'सतत् विकास की उपलब्धियों–2018–19', कंपनी द्वारा प्रकाशित विस्तृत सतत् विकास रिपोर्ट का एक संक्षिप्त संस्करण है। सतत् विकास रिपोर्ट का विषय 'भावी सतत् विकास के लिए नवाचार को प्रोत्साहन' है, जो कंपनी के नवाचार और नए ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करती है। सतत् विकास रिपोर्ट 2018–19 केवल ई–प्रारूप में जारी की गई है।

हम **sustainability@indianoil.in** पर आपकी प्रतिक्रिया का स्वागत करते हैं।

अध्यक्ष का संबोधन

प्रिय हितधारकों,

जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी हमारे ग्रह के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा बन कर उभर रही है। विश्व भर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि हमारी वर्तमान जीवन शैली के कारण प्रकृतिक संसाधनों एवं जलवायु में असंतुलन बढ़ रहा है। इस असंतुलन के कारण भविष्य में मानव जाती को कई गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनसे बचने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। इसकी गंभीरता का आंकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन को रोकने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिबद्धताओं को पूर्ण करने के लिए प्रति वर्ष वैश्विक नेतागणो द्वारा विभिन्न उच्च–स्तरीय बैठकों में वर्तमान स्थिति और भावी कार्य–योजनाओं के विषय पर चर्चा की जा रही है। बढ़ते जागरूकता के कारण हरित ऊर्जा, उत्पादों एवं सेवाओं के साथ–साथ सतत् व्यवसाय की मांग भी निरंतर बढ़ रही है।

दूसरी ओर, भारत को अपने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों को विकसित करने के लिए और अधिक ऊर्जा की आवश्यकता है जो हमें देशवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायता प्रदान करेगा। एक उत्तरदायी सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते, इंडियनऑयल राष्ट्रीय और वैश्विक जलवायु प्राथमिकताओं के परिप्रेक्ष्य में देश की वर्तमान और भविष्य की ऊर्जा आवश्यक्ताओं को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडियनऑयल का ध्यान कार्यनैतिक दृष्टि से ऊर्जा की उपलब्धता और उसकी पहुँच, हरित ईंधन, सुरक्षा, सामाजिक उत्थान और ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है, जो कंपनी के हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और भविष्य में होने वाले बदलाव के लिए खुद को तैयार रखने की नीति एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। यह जलवायु अनुकूल हरित ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों, परिचालनात्मक उत्कृष्टता को अपनाने तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने पर ध्यान देने के साथ–साथ पैरिस समझौते के लिए भारत की प्रतिबद्धता का भी समर्थन करती है।

> **इंडियनऑयल की व्यावसायिक कार्यनीति जलवायु अनुकूल हरित ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प, परिचालन उत्कृष्टता और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के साथ पैरिस समझौते के लिए भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।**

ऊर्जा की उपलब्धता और उसकी पहुँच

देश में ईंधन उत्पादों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, इंडियनऑयल दीर्घावधि अनुबंध और परिसंपत्ति खरीद के माध्यम से आयातित कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिशचित कर रहा है। कंपनी द्वारा भंडारण और परिवहन के बुनियादी ढांचे में भी लगातार विस्तार और उन्नयन किया जा रहा है। इंडियनऑयल के देश भर में फैले पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई अब 14,000 कि.मी. से अधिक की हो चुकी है, जिसमें कई नई परियोजनाओं के अंतर्गत पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तारण किया जा रहा है। इंडियनऑइल देश के कोने–कोने में ईंधन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपने 50,000 से अधिक ग्राहक टच–पॉइंट्स का उपयोग करता है। हमारी निरंतर ईंधन पहुँचाने की प्रतिबद्धता किसी भी राष्ट्रीय आपदा की स्थिती में भी सक्रिय रहती है।

बेहतर ईंधन

रिफाइनरी विस्तार, डी–बॉटलनेकिंग और प्रौद्योगिकी उन्नयन में केंद्रित प्रयासों द्वारा, इंडियनऑयल अप्रैल 2020 से देश भर में दुनिया के सबसे स्वच्छ मानक के BS-VI ईंधन की आपूर्ति करने जा रहा है।

पिछले एक दशक में, कंपनी ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, प्राकृतिक गैस, कोल बेड मीथेन (CBM) और शेल गैस जैसे वैकल्पिक ऊर्जा के नए स्त्रोतों में महत्वपूर्ण निवेश किया है। जैविक एवं नगरपालिका के कचरे की बढ़ती समस्या से निपटने और संभावित स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए, इंडियनऑयल ने '2–जी इथेनॉल' और 'अपशिष्ट से कम्प्रेस्ड बायोगैस' जैसे परियोजनाओं की शुरुआत की है।

सुरक्षा

एक विकासशील कंपनी के रूप में, इंडियनऑइल ने सुरक्षा और संरक्षण को सदैव प्राथमिकता दी है। कंपनी का प्रत्येक कर्मचारी उत्पादों को सुरक्षित ढंग से ग्राहकों तक पहुंचाने और कार्यक्षेत्र एवं निकटतम क्षेत्रों में सुरक्षा के उच्चतम स्तर को बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है। सुरक्षा जागरूकता पर न केवल कर्मचारियों द्वारा बल दिया जाता है, बल्कि इसकी जानकारी हमारे पुनर्विक्रेताओं और ग्राहकों को भी दी जाती है।

सामाजिक उत्थान

इंडियनऑयल पूरी तरह से देश की उन्नति और भारतवासियों के प्रति समर्पित है। कंपनी 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना', 'मेक–इन–इंडिया', 'स्किल इंडिया', स्टार्ट–अप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसे कई राष्ट्रीय मिशनों में अग्रणी रही है।

ग्राहकों के लिए मूल्य

उत्पादों एवं सेवा प्रस्तावों में सुधार करने के लिए इंडियनऑइल निरंतर अपने ग्राहकों, आपूर्ति श्रृंखला और कर्मचारियों से संवाद बनाए रखता है। अपने समर्पित कर्मचारियों, संरचनात्मक पहुंच और विभिन्न एसोसिएशन एवं भागीदारियों के बल पर इंडियनऑयल अपने उत्पादों और सेवा प्रस्तावों को ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यक्ताओं के अनुसार ढाल कर उनकी जरूरतों को पूरा करता है।

वर्ष 2018–19 के दौरान, इंडियनऑयल ने रिफाइनरी एवं पाइपलाइन थ्रुपुट, ऊर्जा गहनता, डिस्टीलेट उत्पाद तथा ईंधन में प्रक्रियात्मक नुकसान आदि जैसे मापदण्डों में अपना सर्वोच्च प्रदर्शन कर परिचालन उत्कृष्टता में नई ऊंचाइयां हासिल की है। ये उपलब्धियां तकनीकी विकास, परिचालन क्षमता के बेहतर उपयोग और व्यापक पैमाने पर स्वचालन को दिए प्रोत्साहन द्वारा हासिल की गई हैं।

हम यह जानते हैं कि राष्ट्रीय और वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को अपनाते हुए भारत के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना एक कठिन चुनौती है। परंतु, हम भारत की वर्तमान और भावी ऊर्जा जरूरतें सुनिश्चित करने एवं स्थायी भविष्य प्रदान करने से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्धित है। हमें यह विश्वास है कि इंडियनऑयल के इन प्रयासों में हमें आपका समर्थन निरंतर मिलता रहेगा।

संजीव सिंह
(अध्यक्ष)

मूल्य श्रृंखला

- अन्वेषण और उत्पादन
- रिफाइनिंग
- पाइपलाइन परिवहन
- विपणन
- प्राकृतिक गैस
- पेट्रोरसायन
- विस्फोटक और क्रायोजेनिक्स
- नवीकरणीय ऊर्जा
- अनुसंधान एवं विकास

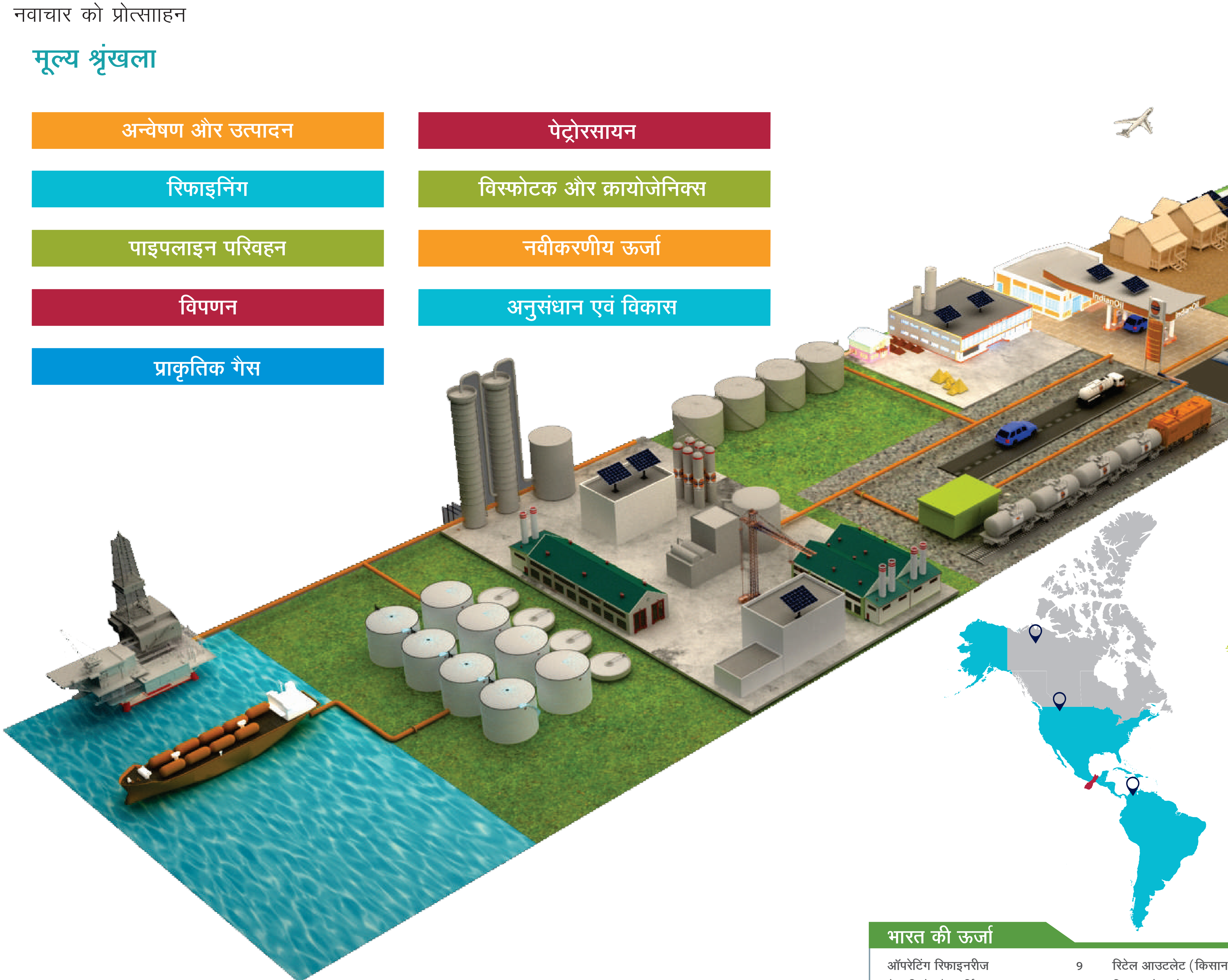

दुनिया भर में इंडियनऑयल

भारत की ऊर्जा

ऑपरेटिंग रिफाइनरीज	9	रिटेल आउटलेट (किसान सेवा केंद्र सहित)	27,702	पेट्रोरसायन संयंत्र	5
तेल डिपो और टर्मिनल	125	किसान सेवा केन्द्र (KSK)	7,857	पवन ऊर्जा संयंत्र	6
एविएशन फ्यूल स्टेशन	116	LPG वितरक	11,964	ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र	4
LPG बॉटलिंग प्लांट्स	91	SKO/LDO डीलर	3,889	E&P स्थल	1
ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट्स	10	उपभोक्ता पंप	6,960	LNG टर्मिनल	1
अनुसंधान एवं विकास केंद्र (R&D)	1	विस्फोटक संयंत्र	11		
पाइपलाइन टर्मिनल	88	क्रायोजेनिक्स संयंत्र	1		

सामाजिक उत्थान

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, इंडियनऑयल कई सामाजिक कल्याण और सामुदायिक विकास के कार्यक्रम चलाता है। अखिल भारत स्तर पर उपस्थिति होने के कारण, इंडियनऑयल देश भर में सामाजिक उत्थान की गतिविधियों को कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) परियोजनाओं के अंतर्गत निष्पादित करता है।

CSR व्यय (करोड़ ₹)

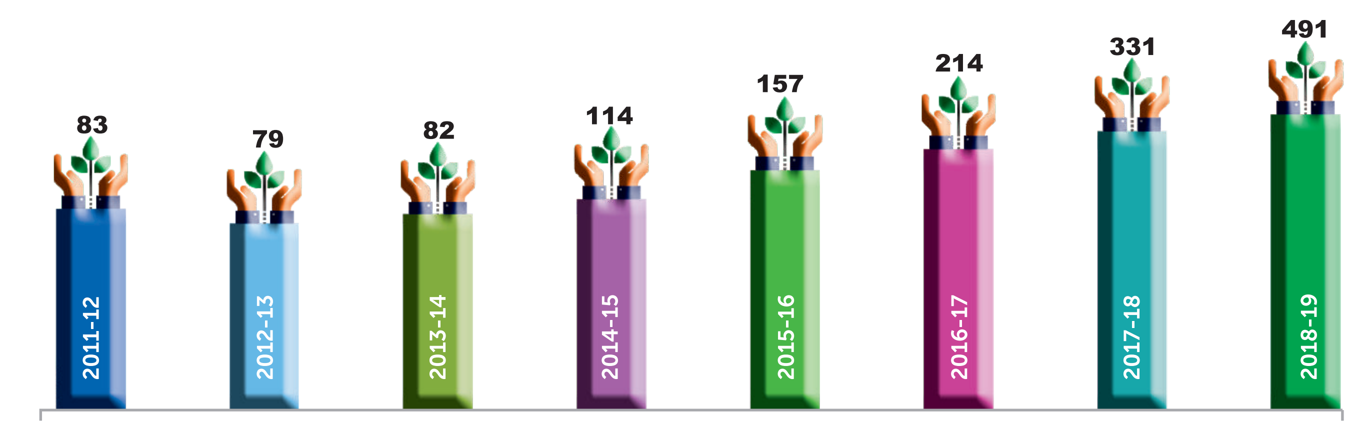

2018–19 के दौरान, पूरे भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में इंडियनऑयल द्वारा किए गए 950 से अधिक पहलों के माध्यम से **1.15 करोड़** से अधिक लाभार्थी सकारात्मक रूप से प्रभावित हुए।

CSR परियोजनाओं के प्रमुख क्षेत्र

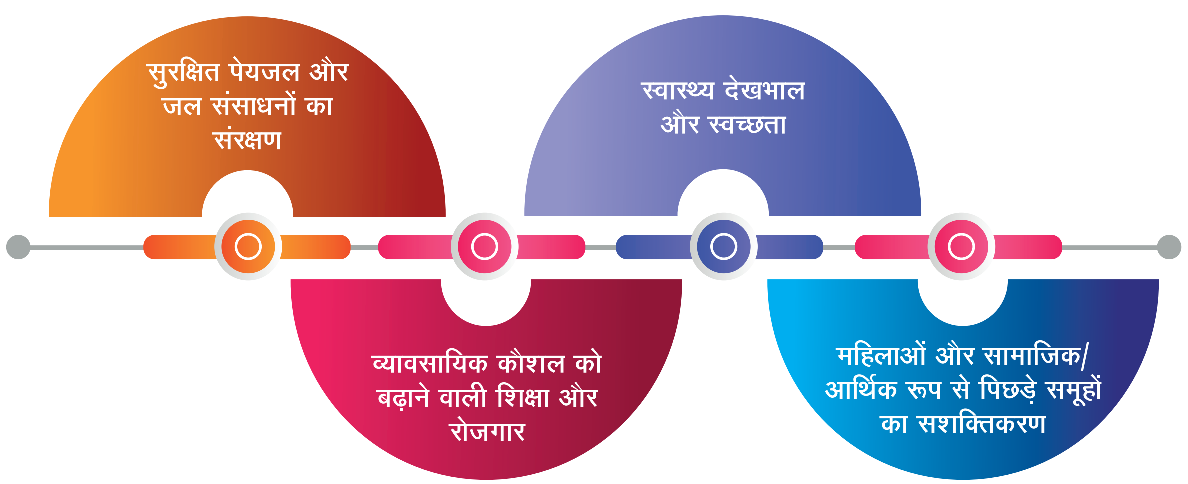

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR)

CSR मद पर व्यय
₹**490.60**
करोड़

विदुषी

नामांकित 56 छात्रों में से
46
ने IIT-JEE मेन्स उत्तीर्ण किया

ज्ञानोदय योजना

विभिन्न शैक्षिक परियोजनाओं के माध्यम से
7.75
लाख छात्र लाभान्वित

कौशल विकास

15,000+
बेरोजगार युवा कौशल वृद्धि कार्यक्रम से लाभान्वित हुए

दिव्यांगजन

20,000
दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए

जल जीवन

10
लाख लाभार्थी पेयजल सुविधाओं से लाभान्वित हुए

इंडियनऑयल फाउंडेशन

इंडियनऑयल ने भारत के ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) और संस्कृति मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्कृति कोष (NCF) के सहयोग से एक गैर–लाभकारी ट्रस्ट, इंडियनऑयल फाउंडेशन (IOF) की स्थापना की है। यह फाउंडेशन विशेष रूप से इंडियनऑयल द्वारा वित्त पोषित है। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य देश के गौरवशाली अतीत की सुरक्षा, संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

इंडियनऑयल आरोग्यम

इंडियनऑयल की प्रमुख CSR योजना आरोग्यम के अंतर्गत कंपनी अपने मथुरा, बोंगईगांव और पारादीप रिफाइनरी के निकटतम क्षेत्रों में बारह मोबाइल मेडिकल यूनिट (MMU) का परिचालन कर रही है। यह MMU वर्तमान में 140 से अधिक गांवों में काम कर रही है। वर्ष 2018–19 में, लक्षित भौगोलिक क्षेत्रों में आने वाले मरीजों की संख्या लगभग 90,000 थी।

इंडियनऑयल खेल छात्रवृत्ति

अब तक 20 खेलों/स्पोर्ट्स में कुल 250 छात्रवृत्तियां उदीयमान 13 से 16 वर्ष की आयु के जूनियर खिलाड़ियों को प्रदान की जा चुकी हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान, 103 खिलाड़ियों को इस योजना से लाभ मिला।

राष्ट्रीय मिशनों में सबसे आगे इंडियनऑयल

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

मिशन के समर्थन में, इंडियनऑयल ने 2018-19 में 30,000 से अधिक स्वच्छता कार्यक्रम जैसे जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान आदि का आयोजन किया। जैविक कचरे से उत्पादित कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) की खरीद और बिक्री के लिए कंपनी भारत सरकार की SATAT योजना में सबसे अग्रणी रही है।

Digital India — Power To Empower

इंडियनऑयल ने तकनीकी कमी को पूरा करने के लिए 10 विषयों में 80 पहलों की पहचान की है, जिसमें ड्रोन आधारित पाइपलाइन निगरानी, आभासी वास्तविकता आधारित ई–शिक्षा, ब्लॉक–चेन प्रेरित आपूर्ति श्रृंखला सॉफ्टवेयर, आदि शामिल हैं। प्रौद्योगिकी परिवर्तन को सक्षम बनाने के लिए कंपनी में एक डिजिटल उत्कृष्टिता केंद्र विकसित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला

पिछले 5 वर्षों में, इंडियनऑयल ने PAHAL LPG सब्सिडी योजना, गिवइटअप अभियान और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) जैसी विशाल योजनाओं की अगुवाई की है, जिनके अंतर्गत सामाजिक और आर्थिक विभाजन के परे जाकर देश भर में स्वच्छ LPG ईंधन उपलब्ध कराई गई। वर्ष 2018–19 में, इंडियनऑयल ने PMUY योजन के अंतर्गत 1.68 करोड़ BPL परिवारों को LPG कनेक्शन प्रदान किया है।

startupindia

इंडियनऑयल ने नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने के लिए 'स्टार्ट–अप कोष' की स्थापना की है। कंपनी वर्तमान में निगरानी, स्वचालन, दक्षता में सुधार, प्रक्रिया में सुधार, ग्राहक प्रतिधारण में डिजिटल सुधार सहित ऊर्जा क्षेत्र में नए समाधानों के लिए 11 स्टार्ट–अप उद्यमों को सहायता दे रही है।

मेक इन इंडिया

इंडियनऑयल स्वदेशी निर्माताओं तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को खरीद में वरीयता देता है। वर्ष 2018–19 में, 29.07% वस्तुओं की खरीद (क्रूड, पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस को छोड़कर) स्वदेशी MSME विक्रेताओं से हुई थी। इंडियनऑयल सरकारी ई–प्रापण पोर्टल, GeM का भी सक्रिय रूप से उपयोग करता है।

Skill India — कौशल भारत-कुशल भारत

इंडियनऑयल के कौशल विकास केंद्र मेडिकल तकनीशियन, जनरल हाउसकीपिंग, निशस्त्र सुरक्षा गार्ड, कंप्यूटर डेटा सहायक आदि के क्षेत्र में भारत के बेरोज़गार/अल्प–विशेषाधिकार युवाओं को प्रशिक्षण केन्द्र प्रदान करती है। कंपनी की कौशल विकास पहल से वर्ष 2018-19 में 15,000 से अधिक बेरोज़गार युवा लाभान्वित हुए।

16,894
कर पश्चात् लाभ
(करोड़ रुपए)

97.9
अब तक का सबसे कम
ऊर्जा तीव्रता सूचकांक प्राप्त

1.68
PMUY योजना के तहत
जारी LPG कनेक्शन
(संख्या करोड़ में)

71.3
सबसे कम
विशिष्ट ऊर्जा खपत
(MBN) प्राप्त

318
नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं
से उत्सर्जन में कमी
('000 टन CO_2)

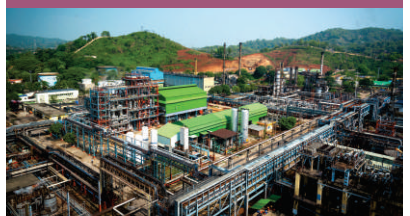

1,329
पाइपलाइन परिवहन के
माध्यम से '000 टन CO_2
उत्सर्जन में कमी

437
(करोड़ रुपए)
अनुसंधान एवं विकास व्यय

BS-VI
ऑटो ईंधन की आपूर्ति का
12 जिलों तक विस्तार

820
पेट्रोल में मिश्रित इथेनॉल
('000 कि.ली.)

5,033
सौरीकृत रिटेल आउटलेट्स
की वार्षिक संख्या

5.3%
इथेनॉल
सम्मिश्रण प्राप्त

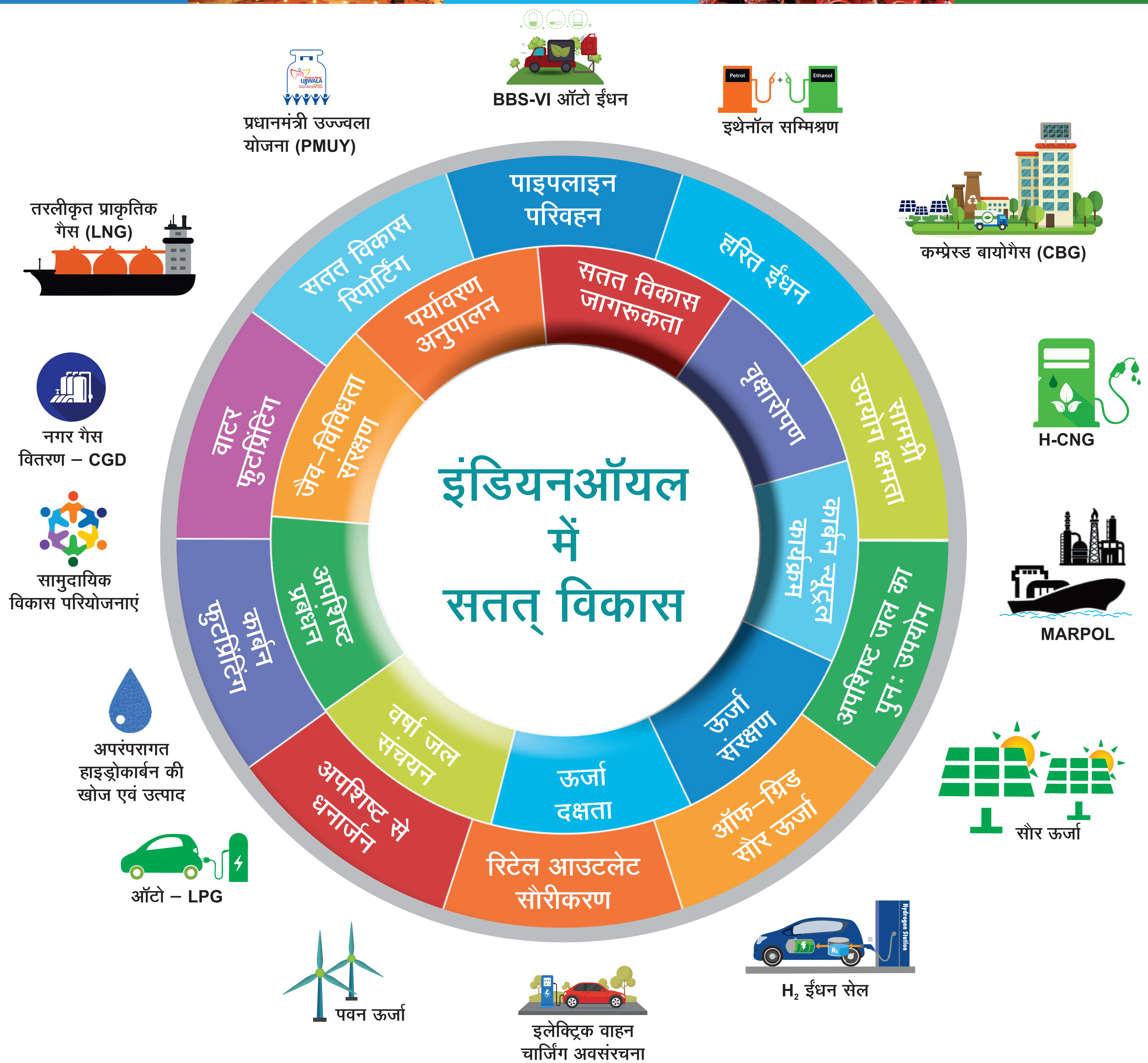

491
(करोड़ रुपए)
CSR व्यय

82,078
ENCON परियोजनाओं के
माध्यम से अनुमानित वार्षिक
ईंधन में बचत (SRFT)

255
ऊर्जा संरक्षण (ENCON)
परियोजनाओं से वार्षिक उत्सर्जन
में कमी ('000 टन CO_2)

388
अक्षय ऊर्जा उत्पादन
(गीगा वाट)

*2018-19 डेटा

परिचालन उत्सर्जन को कम करना

इंडियनऑयल में हर वर्ष अपने कार्य–स्थलों से होने वाले उत्सर्जन का आंकलन किया जाता है। ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन का आंकलन लगाने से कंपनी को सुधार करने के क्षेत्रों की पहचान और उत्सर्जन कम करने के उपायों को लागू करने में मदद मिलती है। कंपनी अपने GHG उत्सर्जन को कम करने के लिए ऊर्जा संरक्षण एवं दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित ईंधन और वृक्षारोपण जैसी अनेक गतिविधियां का संचालन करती है।

12.43%
2012–13 के स्तर की तुलना में रिफाइनरियों में विशिष्ट कार्बन फुटप्रिंट में कमी

71.3 NBN
न्यूनतम विशिष्ट ऊर्जा खपत

1,329
हजार मैट्रिक टन CO_2 रेल परिवहन की तुलना में ईंधन के पाइपलाइन द्वारा वहन से उत्सर्जन में होने वाली कमी

8.57%
सबसे कम ईंधन में प्रकृयात्मक हानि

97.9
न्यूनतम ऊर्जा तीव्रता सूचकांक (EII)

255
हजार मैट्रिक टन CO_2 ENCON परियोजनाओं के कारण वार्षिक उत्सर्जन में कमी

वर्ष दर वर्ष विशिष्ट उत्सर्जन (किलोग्राम CO_2 मैट्रिक टन संसाधित क्रूड)*

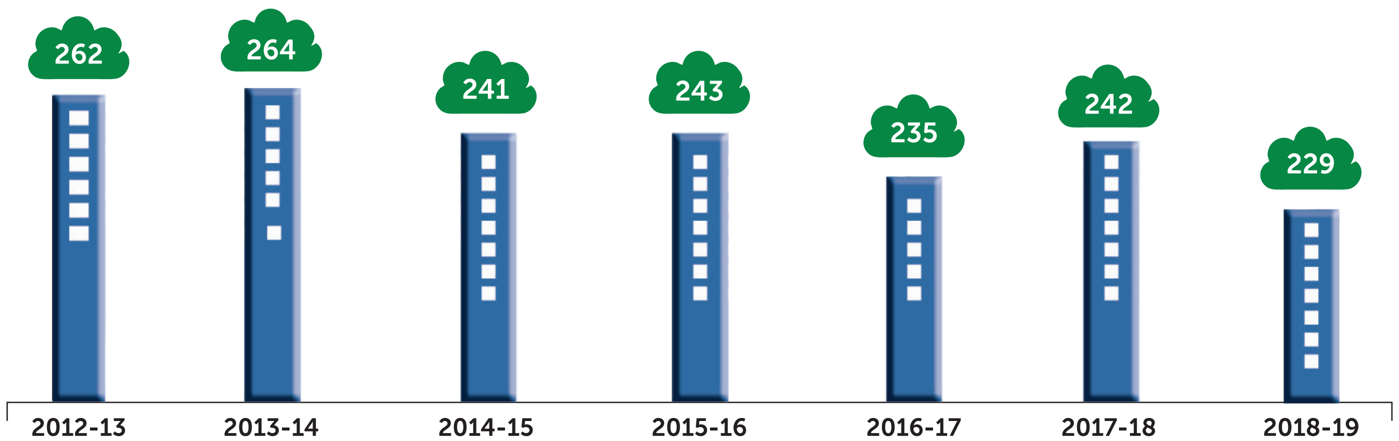

*रिफाइनरी डेटा

पाइपलाइन परिवहन

सड़क और रेल की तुलना में पाइपलाइन पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन का सबसे कुशल साधन है। इंडियनऑयल ने वर्ष 2018–19 में पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से 88.5 मिलियन मैट्रिक टन (MMT) कच्चे एवं तैयार उत्पादों का परिवहन किया जिससे 1,329 हजार टन CO_2 GHG उत्सर्जन होने से बचाया गया।

ऊर्जा दक्ष प्रकाश–व्यवस्था

इंडियनऑयल ने सभी पारंपरिक लाइटों को LED लाइटों से बदलने के लिए एक नीतिगत दिशानिर्देश लागू किया है। दिनांक 31 मार्च 2019 तक पारंपरिक लाइटों के स्थान पर 4.5 लाख ऊर्जा कुशल LED लाइटें लगाई जा चुकी हैं।

स्वचालन

इंडियनऑयल उत्पादकता एवं उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने, मैनुअल कार्यकलापों को कम करने तथा गतिमय एवं किफायती संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने आपूर्ति और वितरण नेटवर्क को उन्नत बना रहा है, जिससे अदक्षता संबंधी उत्सर्जनों को भी कम किया जा रहा है।

रिफाइनरियों में ENCON परियोजनाएं

वर्ष 2018–19 में कार्यान्वित नए ऊर्जा संरक्षण (ENCON) परियोजनाओं के कारण रिफाइनरियों की ऊर्जा बचत करने की क्षमता में अनुमानित 82,078 SRFT की वृद्धि हुई, जिससे लगभग (135.3 करोड़ रुपए की बचत होगी और प्रति वर्ष होने वाले उत्सर्जन में लगभग 255 हजार मैट्रिक टन CO_2 की कमी आएगी।

अक्षय ऊर्जा

इंडियनऑयल ने संचयी रूप से 216 मेगावाट (MW) क्षमता की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की है, जिसमें 167.6 MW पवन ऊर्जा और 48.6 MW (20.5 MW ग्रिड से जुड़े और 28.1 MW ऑफ–ग्रिड) सौर ऊर्जा के प्रोजेक्ट हैं।

216 MW
(167.6 मेगावाट पवन, 48.6 मेगावाट सौर) 31 मार्च 2019 को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की कुल स्थापित क्षमता

388 GWh (गीगावॉट)
2018–19 के दौरान सृजित अक्षय ऊर्जा

~5%
कंपनी की कुल बिजली की खपत के बराबर सृजित अक्षय ऊर्जा

अक्षय ऊर्जा – स्थापित क्षमता, उत्पादन और उत्सर्जन में कमी

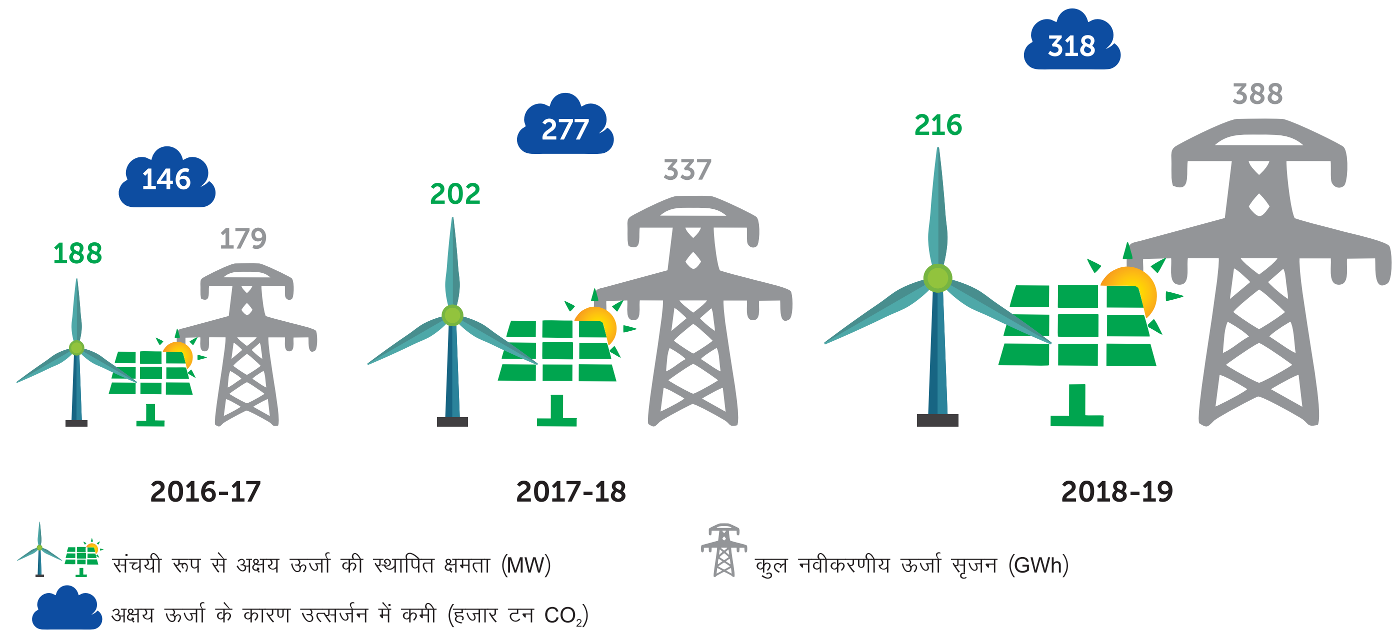

रिटेल आउटलेट सौरीकरण

रिटेल आउटलेट्स सौरीकरण, इंडियनऑयल द्वारा अपने आपूर्ति श्रृंखला को सामाजिक एवं पर्यावरणीय रूप से सशक्त बनाने में एक सफल पहल के रूप में उभरा है। दिनांक 31 मार्च 2019 तक, कंपनी के कुल 14,173 रिटेल आउटलेट्स पर 77MW क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट लगाए जा चुके हैं।

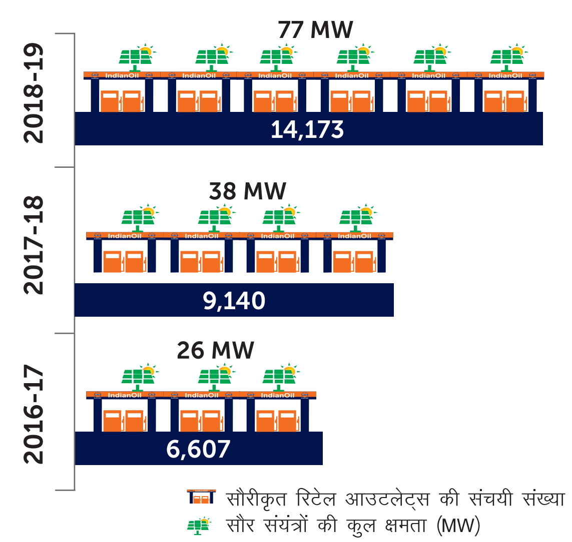

फ्लोटिंग सोलर पैनल

इंडियनऑइल ने अपने पानीपत स्थित नैफ्था क्रेकर यूनिट के जलाशय पर एक लैंड–न्यूट्रल और फ्लोटिंग (फिक्स्ड टिल्ट टाइप) 100 किलो वॉटपीक (kW_p) क्षमता का ऑन–ग्रिड सोलर पावर प्लांट स्थापित किया है। खुले जलाशय में, प्रचलित उच्च तापमान और वायुमंडल के संपर्क में आने वाले बड़े सतह क्षेत्र के कारण वाष्पीकरण के नुकसान के रूप में संग्रहीत पानी की एक बड़ी मात्रा पर्यावरण में विलीन हो जाती थी। इस फ्लोटिंग सौर संयंत्र के कारण न केवल समग्र अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ती है बल्कि जलाशय के ढ़क जाने से वाष्पीकरण के नुकसान को भी कम करता है।

कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG)

इंडियनऑयल भारत सरकार की SATAT योजना में अग्रणी रहा है। इस योजना के अंतर्गत देश में उत्पन्न कृषि/सीवेज/जैविक कचरे से ऑटोमोटिव ग्रेड कम्प्रेस्ड बायोगैस (यह CNG का एक विकल्प है) का सृजन करना है। इंडियनऑयल ने CBG संयंत्र स्थापित करने के लिए उद्यमियों को आशय–पत्र (LoI) जारी किए हैं। इन उद्यमियों द्वारा प्रस्तावित CBG संयंत्रों की संयुक्त क्षमता 792 टन प्रतिदिन है।

ताजे पानी की खपत को कम करना

व्यापार के दृष्टिकोण से जल संरक्षण एवं इसका कुशल प्रयोग एक अहम मुद्दा बनते जा रहा है। इंडियनऑयल अपने कार्य–प्रक्रिया में प्रयोग किए जाने वाले जल का पूर्ण उत्तरदायित्व से प्रयोग करती है। इस मद पर कंपनी निरंतर सुधार की ओर अग्रसर है, और जल प्रयोग संबंधित दक्षता में सुधार, रीसाइक्लिंग एवं अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी जल संरक्षण के पहल करती है।

12.87% 2012–13 के स्तर की तुलना में रिफाइनरियों में विशिष्ट जल उपयोग में कमी

3% कंपनी के ताजे पानी की खपत के बराबर वर्षा जल संचयन क्षमता

89% रिफाइनरी कार्यों में रीसाइकिल होने वाला जल

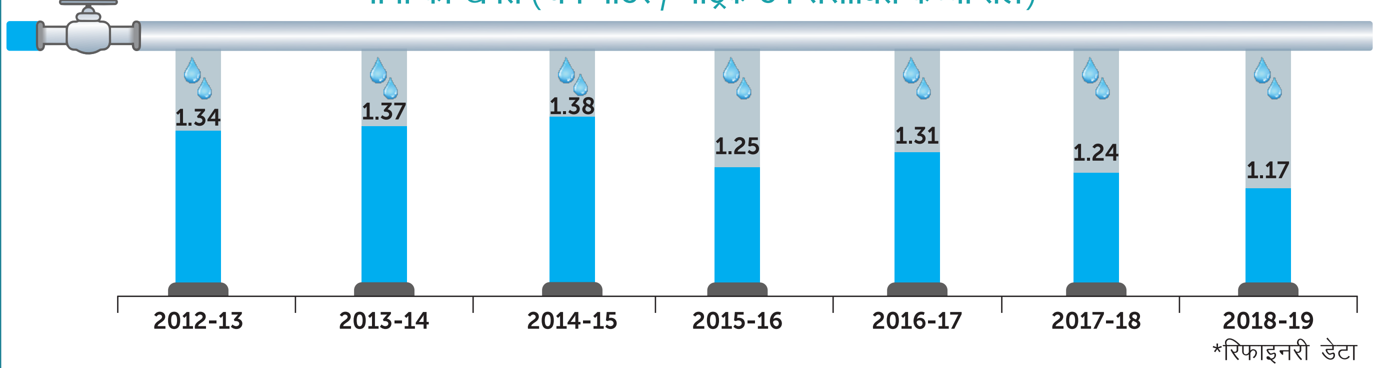

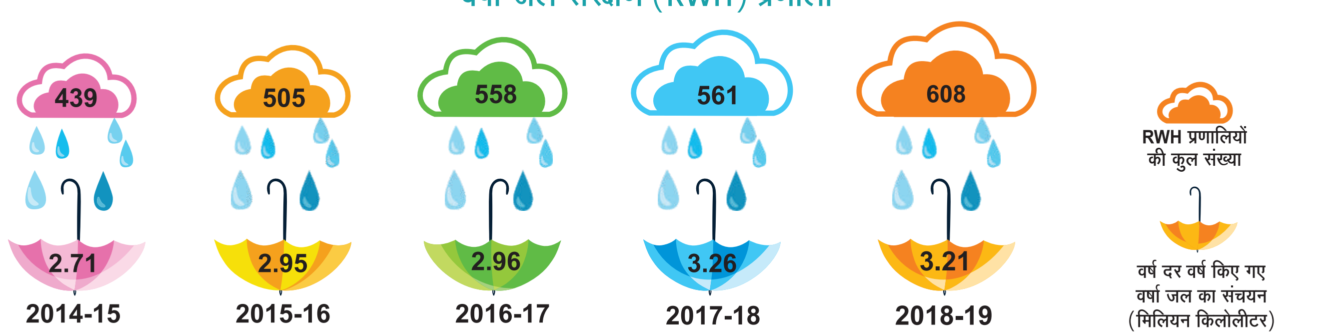

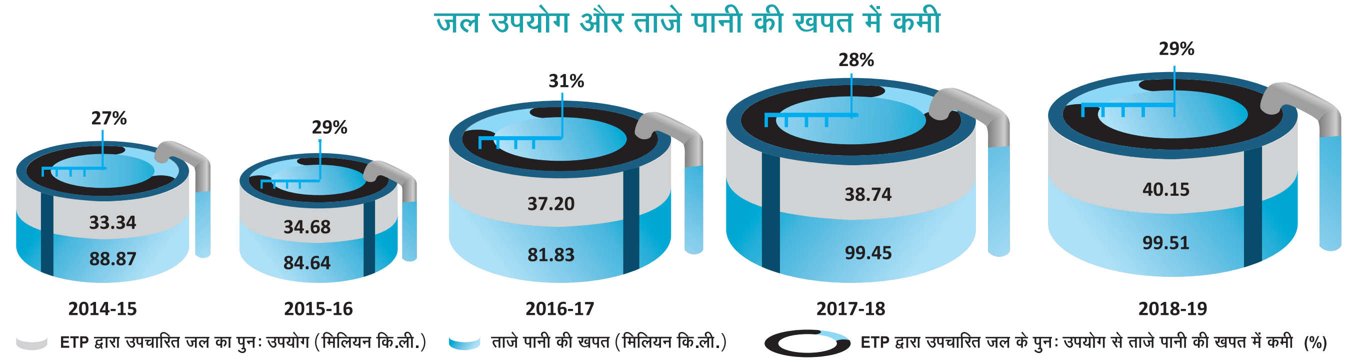

मथुरा और गुजरात रिफाइनरी में STP द्वारा उपचारित पानी का उपयोग

इंडियनऑयल के मथुरा एवं गुजरात रिफाइनरी ने प्रचालन के लिए ताजे पानी की जगह सीवेज उपचार संयंत्र (STP) द्वारा रिसाईक्ल्ड 41 मिलियन लीटर जल को उपयोग करने की तैयारी है। इन रिफाइनरियों में STP द्वारा उपचारित जल के पुनः–उपयोग से कंपनी के ताजे पानी की खपत में अनुमानित 14% की कमी आएगी।

दिगबोई रिफाइनरी में वाटरशेड परियोजना

एशिया की पहली और दुनिया की सबसे पुरानी रिफाइनरियों में से एक, दिगबोई रिफाइनरी ने वाटरशेड परियोजना के माध्यम से वर्षा जल संचयन एवं उसके प्रक्रियात्मक उपयोग करने वाली देश की पहली रिफाइनरी बनने का भी गौरव प्राप्त किया है। इस परियोजना के अंतर्गत रिफाइनरी ने कई भंडारण–सह–परकोलेशन तालाबों को जोड़कर इनके द्वारा एकत्रित वर्षा जल को फिल्टर कर परिचालन में उपयोग किया है।

उत्पाद की जिम्मेदारी

इंडियनऑयल का अनुसंधान एवं विकास (R&D) केंद्र ल्यूब्रिकेंट, कैटेलिस्टों, रिफाइनरी प्रक्रियाओं और पाइपलाइन संचालन जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और इनके व्यावसायीकरण की क्षमताओं को बढ़ाकर कंपनी को बैक–एंड समर्थन प्रदान करता है। इंडियनऑयल की रिफाइनरियों में लागू किए गए गुणवत्ता उन्नयन परियोजनाओं में से कई परियोजनाएं आंतरिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी पेटेंट पर आधारित हैं।

5.3% 2018–19 में पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण हासिल किया गया

BS-IV से BS-VI में परिवर्तन करने के लिए **₹14,910** करोड़ का निवेश किया गया

100+ 2018–19 में नए ल्युब्रिकेंट फॉर्मूले विकसित किए गए

R&D के प्रमुख क्षेत्र

वर्ष 2018–19 के दौरान **₹437** करोड़ का R&D व्यय किया गया

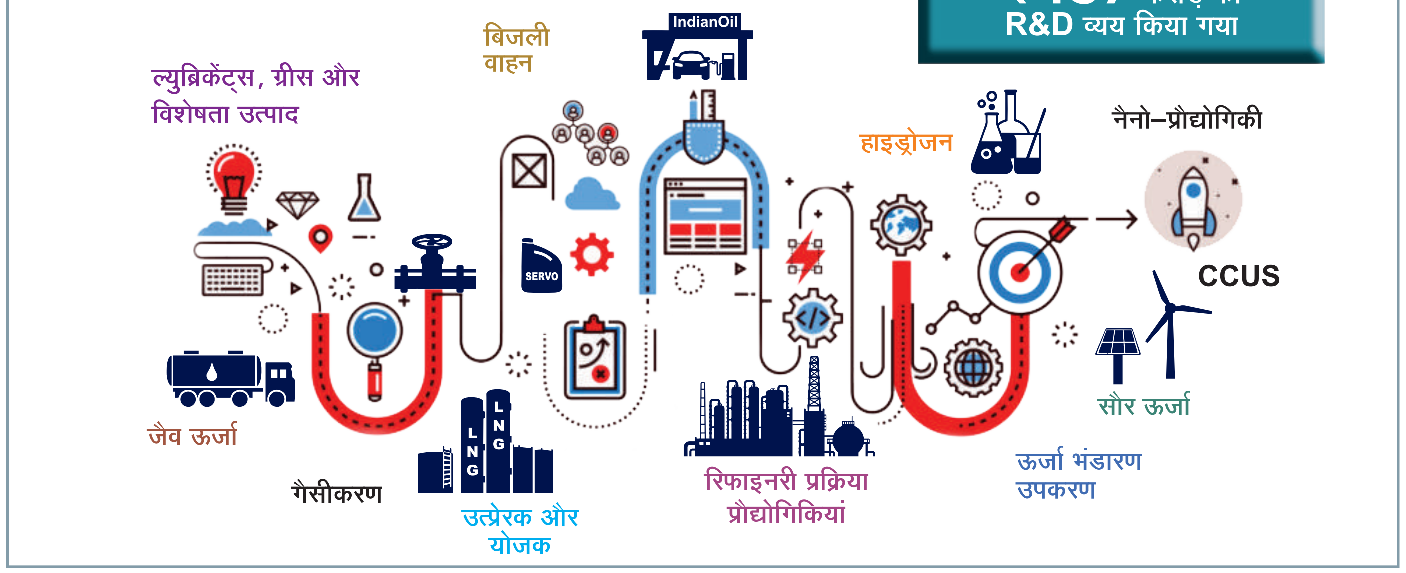

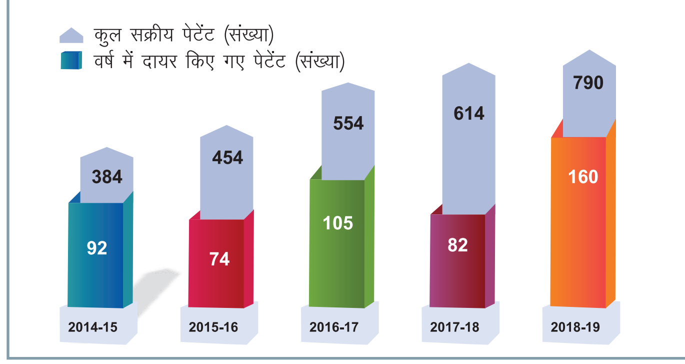

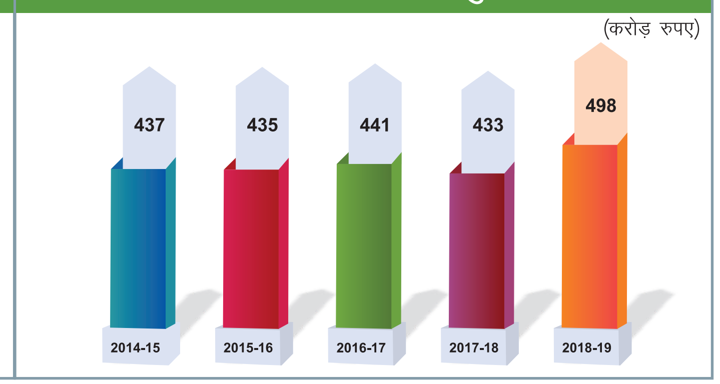

ईंधन की घर पर सप्लाई

इंडियनऑयल ने चेन्नई में 'फ्यूल@डोरस्टेप' नामक एक पहल की शुरुआत की है। इस परियोजना से कंपनी डीजल को मोबाइल डिस्पेंसर द्वारा ग्राहकों तक पहुंचाने वाली पहली तेल विपणन कंपनी (OMC) बनी। अब तक, जिन औद्योगिक और थोक ग्राहकों को ईंधन (डीजल) की आवश्यकता होती थी, उन्हें निकटतम रिटेल ऑउटलेट से कंटेनरों अथवा बैरल में भरकर ईंधन ले जाना पड़ता था। इस अनूठे पहल का उद्देश्य ग्राहकों को सुविधा प्रदान करते हुए उनके घरों तक ईंधन पहुंचाना है। ग्राहक मोबाइल ऐप (Repose App) के माध्यम से ऑर्डर दे सकते हैं। 'फ्यूल@डोरस्टेप' सेवा उपभोक्ताओं को बिना किसी परेशानी के ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जो अनावश्यक ईंधन रिसाव और कंटेनर/बैरल एवं ईंधन में असुरक्षित रखरखाव से भी बचाती है।

कर्मचारी

इंडियनऑयल का प्रयास सहानुभूति और भावनात्मक जुड़ाव के आधार पर संगठन में आंतरिक ग्राहकों की खुशहाल टीमों का निर्माण करना है। सशक्त और खुशहाल टीमों के लिए, कंपनी निरंतर अपने मानव संसाधन कार्यनीति को संरक्षण, नवपरिवर्तन, लगाव और विश्वास के अपने मूल कॉर्पोरेट मूल्यों के आधार पर अंशांकन करती है।

इंडियनऑयल देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों से प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी क्षमता और योग्यता के आधार पर नियुक्त करता है।

33,498 समर्पित कार्यबल

2,167 भर्ती किए गए कार्यपालक

3,000 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

8,474 कर्मचारी सुरक्षा प्रशिक्षण मानवदिवस (मैन–डेज़)

8.56% महिला कार्यबल

लगभग **7,000 मिलेनियल्स** से सशक्त कंपनी में अनुभव और युवा ऊर्जा दोनों की ताकत है

इंडियनऑयल को भारत में काम करने के लिए **शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों** में से एक के रूप में चुना गया है।

महिला–पुरुष कर्मचारी विभाजन

33,498	*कुल कर्मचारियों की संख्या*
30,629	*पुरुष कर्मचारी*
2,869	*महिला कर्मचारी*

महिला नेतृत्व विकास

इंडियनऑयल ने महिला नेतृत्व विकास नामक एक पहल की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य चयनित मध्यम प्रबंधन स्तर की महिलाओं में अधिक से अधिक आत्मविश्वास पैदा कर उनका बहुमुखी और सर्वांगीण रूप से विकास करना है। इस प्रयास से महिला अधिकारियों की नेतृत्व क्षमता को बढ़ाना, उनके उत्साह को बढ़ाने के लिए उनका निर्देशन करना, विभिन्न उद्योगों के सफल रोल मॉडेल्स से कैरियर संबन्धित सीख लेना, महिलाओं के बीच संवाद/नेटवर्क समूह का निर्माण करना, कार्यस्थल को अधिक प्रभावी बनाना और प्रदर्शन उत्कृष्टता एवं लक्ष्य उपलब्धि के लिए कार्य–योजना विकसित करना है।

आर्थिक निष्पादन

इंडियनऑयल ने देश की ऊर्जा जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करते हुए व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में सभी परिचालन के मापदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा।

परिचालन से राजस्व (₹ करोड़)

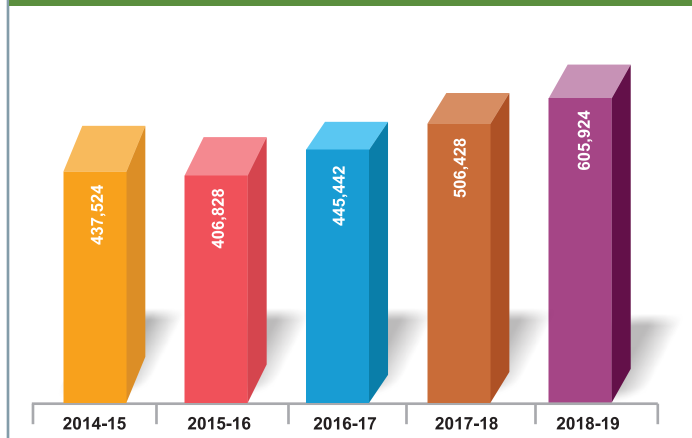

निवल मूल्य (₹ करोड़)

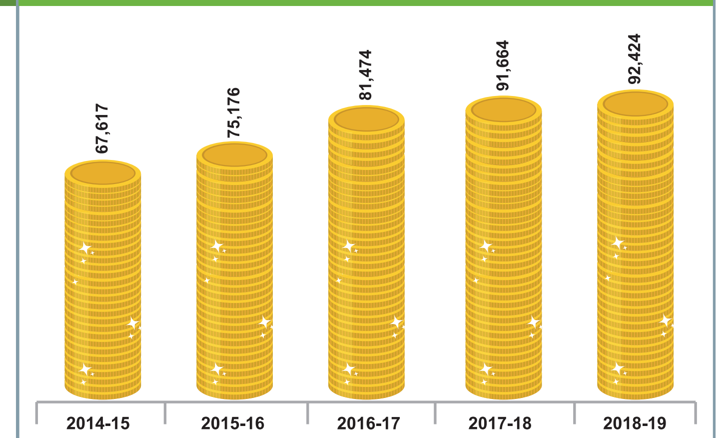

कर पश्चात् लाभ (₹ करोड़)

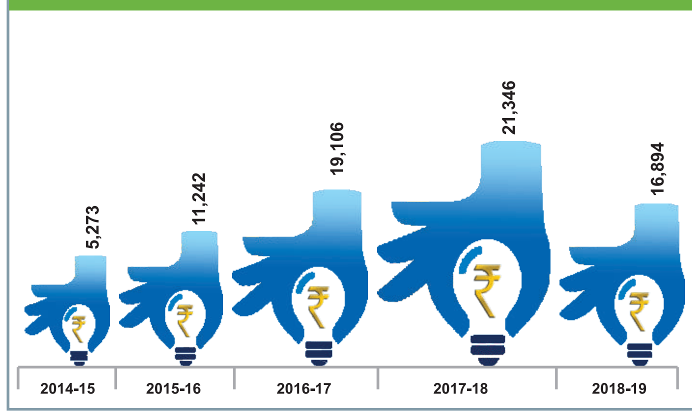

राजकोष में योगदान (₹ करोड़)

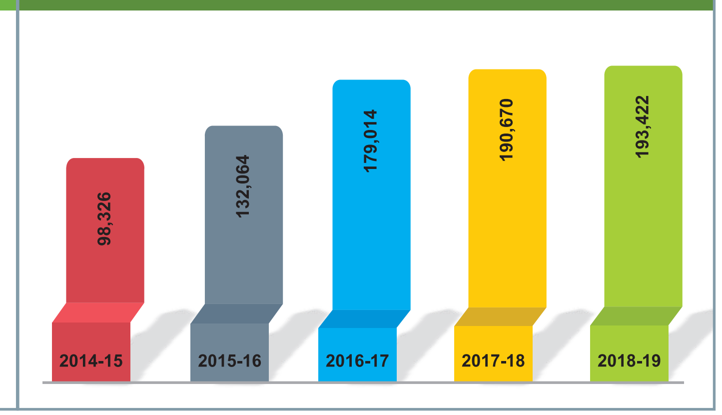

उत्पाद विक्री (निर्यात सहित)
89.89 मिलियन मेट्रिक टन (MMT)

कैपेक्स
₹28,100 करोड़ से अधिक

रिटेल आउटलेट
2018–19 के दौरान 648 स्थापित | कुल संख्या 27,702

पाइपलाइन थ्रूपुट
88.53 MMT

रिफाइनरी थ्रूपुट
71.82 MMT

पेट्रोलियम उत्पाद की बिक्री
79.96 MMT

पेट्रोरसायन की बिक्री (निर्यात सहित)
2.64 MMT

गैस की बिक्री
3.96 MMT

ईएंडपी उत्पाद
4.39 MMT

हितधारकों से संवाद

इंडियनऑयल, विभिन्न प्लेटफॉर्म द्वारा ढांचागत नियुक्ति तंत्र का उपयोग कर अपने हितधारकों के साथ विश्वासपूर्ण और दीर्घकालिक संबंध बनाता है। हितधारकों के साथ निरंतर बनाए हुए संवाद द्वारा कंपनी को अपनी व्यावसायिक कार्यनीति को सुदृढ़ करने में सहायता मिलती है।

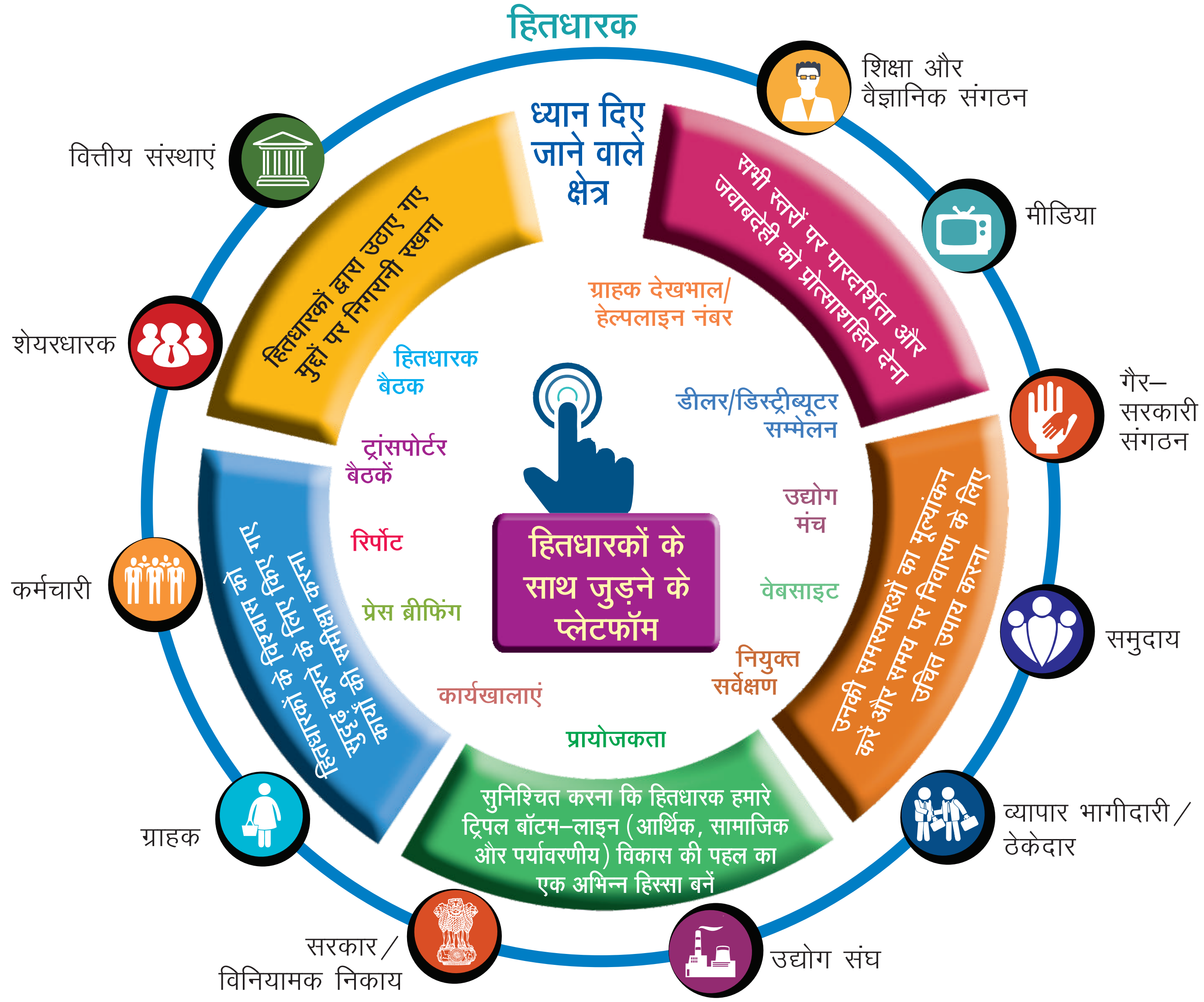

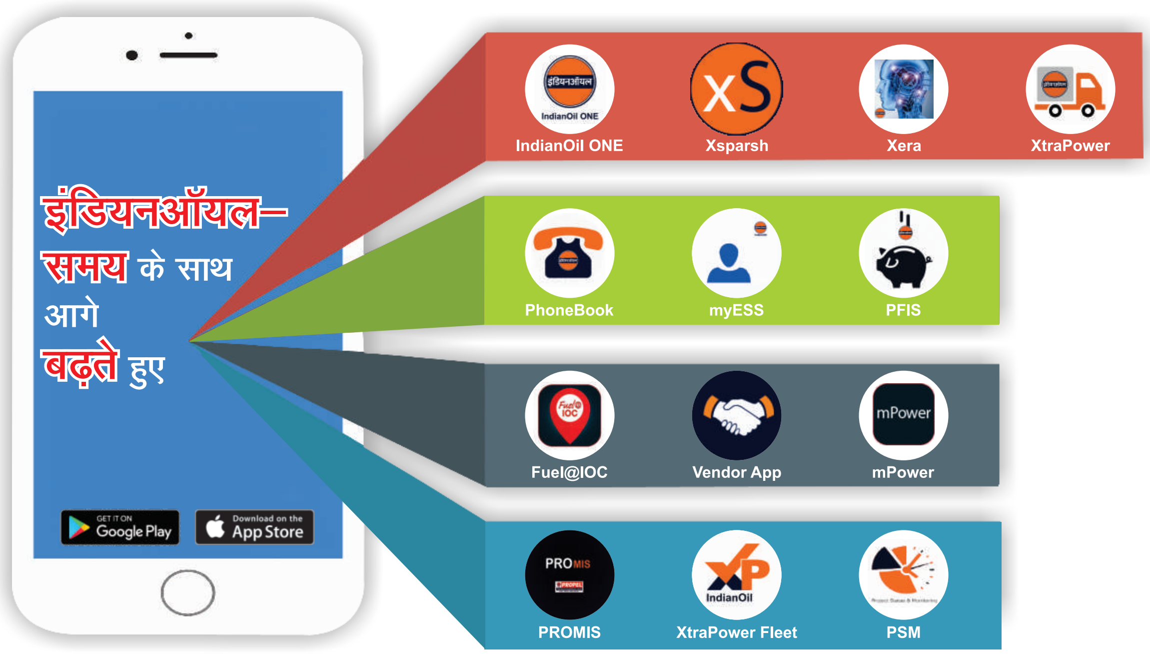

इंडियनऑयल – समय के साथ कदम बढ़ाते हुए

इंडियनऑयल के पास समय के साथ कदम मिलाते हुए विकास के पथ पर अग्रसर होने की उल्लेखनीय विरासत है। इंडियनऑयल निरंतर विकसित होती प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष के अनुरूप अपनी व्यावसायिक कार्यनीति को संरेखित करता रहा है। ऊर्जा उपलब्धता, पर्यावरण एवं मानवजन, सदैव ही कंपनी के एजेंडे में अग्रणी रहे हैं और इन्हें उत्पाद एवं सेवा प्रस्तावों में निरंतर सुधारों द्वारा प्रदर्शित किया जाता रहा है। देश को विकासशील करने के लिए और 'भारत की ऊर्जा' बनने के प्रयास को पूरा करने के लिए कंपनी देश के सुदूर क्षेत्रों तक ईंधन को निरंतर पहुंचाने के अपने प्रयास को वर्ष दर वर्ष और सुदृढ़ बना रहा है।

इंडियनऑयल ने अपने हितधारकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वयं को उन्नत बनाया है। कंपनी ने अपनी स्वचालन की प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाया है और यह नवीनतम सुरक्षा प्रणालियों से सुसज्जित है। अनुकूलित संचालन एवं लॉजिस्टिक्स, स्वचालित प्रक्रिया और समर्पित कर्मचारी बल, हमें प्रतिस्पर्धा में आगे रहने में सहयोग कर रहे हैं। इंडियनऑयल ने विश्व भर में अपने एक अरब से अधिक ग्राहकों की सेवा एवं निरंतर विश्वास बनाए रखने के लिए डिजिटलिकरण को व्यापक रूप से अपनाया है।

इंडियनऑयल के 33,000 से अधिक समर्पित एवं सक्षम कर्मचारी अपने राष्ट्र, ग्राहकों और अन्य हितधारकों की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्धित है। कंपनी प्राकृतिक और औपचारिक विकास अवसरों के माध्यम से अपनी मानव पूंजी में लगातार सुधार कर रही है। ई–लर्निंग को पूरे संगठन की मुख्यधारा में सम्मिलित किया गया है तथा कर्मचारियों को विकास के भावी अवसरों के साथ 21वीं सदी के संगठन का सक्रिय भागीदार बनाने के लिए आधुनिक ज्ञान और कौशल विद्या प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

अब जबकि कंपनी निरंतर सुदृढ़ होते हुए अपनी यात्रा के 60 वर्ष पूरे करने जा रही है, कोई भी विश्वास से यह कह सकता है कि इंडियनऑयल का सर्वश्रेष्ठ समय आना अभी बाकी है।

प्रकाशन तिथि 26 अगस्त, 2019

इंडियनऑयल
IndianOil

Follow us : /IndianOilCorpLimited

#suggestion at sustainability@indianoil.in

Fuel@IOC-IndianOil GET IT ON Google Play Download on the App Store

Corporate Office : 3079/3, Sadiq Nagar,
J.B. Tito Marg, New Delhi-110049

Scan to go
https://www.iocl.com/AboutUs/sustainability.aspx